

उत्तराखण्ड शासन

उच्च शिक्षा अनुभाग-7

संख्या- 1755 /xxiv (7)/69(4)/2010

देहरादून : दिनांक 15 अक्टूबर, 2010

कार्यालय ज्ञाप

राजकीय महाविद्यालयों में आधारभूत संरचना का सुदृढीकरण, उत्कृष्ट शैक्षणिक परिवेश एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित किये जाने तथा इन्हें उच्च शिक्षा के उत्कृष्ट केन्द्रों (Centre of Excellence) के रूप में विकसित किये जाने के लिए राजकीय महाविद्यालयों का बहुआयामी वृहद निरीक्षण एवं सुझाव प्राप्त किये जाने के लिए सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा निम्नवत् समिति का गठन किया जाता है :-

- | | | |
|--|---|---------|
| 1. डॉ0 एम0एम0 करगेती (विशेष कार्याधिकारी) उच्च शिक्षा | — | अध्यक्ष |
| 2. डॉ0 डी0के0 पाण्डे, उपनिदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी | — | सदस्य |
| 3. डॉ0 यतीश वशिष्ठ, प्रवक्ता सैन्य विज्ञान | — | सदस्य |

2. समिति के द्वारा संलग्नक में उल्लिखित बिन्दुओं के आलोक में प्रत्येक महाविद्यालय का वृहद भौतिक निरीक्षण किया जायेगा तथा पृथक-पृथक प्रतिवेदन (फोटोग्राफी सहित) शासन को हार्ड एवं सॉफ्ट कापी में 04 माह की समयावधि में उपलब्ध कराया जायेगा।

3. समिति के द्वारा प्रत्येक महाविद्यालय के संबंध में ऐसे सुझाव भी शासन को प्रस्तुत किये जायेंगे जो समिति के मतानुसार महाविद्यालय में शैक्षणिक परिवेश की उत्कृष्टता हेतु आवश्यक हो सकते हैं।

4. राजकीय महाविद्यालयों के निरीक्षण, पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन हेतु समिति के भ्रमण के यात्रा/अनुषांगिक व्ययों का भुगतान नियमानुसार निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा किया जायेगा।

संलग्नक : यथोपरि।

(पी0सी0शर्मा)

प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- 1755 (1)/XXIV(7)/69(4)/2010/तददिनांक।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा0 उच्च शिक्षा मंत्री को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी, नैनीताल।
3. डॉ0 एम0एम0 करगेती (विशेष कार्याधिकारी) उच्च शिक्षा विभाग।
4. डॉ0 डी0के0 पाण्डे, उपनिदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी।
5. डॉ0 यतीश वशिष्ठ, प्रवक्ता सैन्य विज्ञान, सम्बद्ध शिविर कार्यालय देहरादून।
6. एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
7. कार्यालय प्रति/गार्ड फाईल।


आज्ञा से,

(वेदीराम)

अनु सचिव।

निरीक्षण के बिन्दु :-

1. महाविद्यालय के भवन की स्थिति।
2. आधारभूत सुविधाओं यथा पेयजल, फर्नीचर, शौचालय, वाचनालय, क्रीड़ा, भवन एवं सामग्री, क्रीड़ा मैदान आदि की स्थिति।
3. महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की स्थिति।
4. रोजगारपरक/व्यवसायिक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने की सम्भावनाएं एवं कार्ययोजना।
5. रिक्त चल रहे प्रवक्ताओं के पदों को रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के रूप में परिवर्तित किये जाने की सम्भावनाएं एवं कार्ययोजना।
6. मानकानुसार शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर स्टाफ की उपलब्धता।
7. संकायवार कुल छात्रों की स्थिति एवं कक्षाओं में छात्रों की उपस्थिति की स्थिति।
8. छात्रों की उपस्थिति बढ़ाये जाने हेतु प्राचार्य एवं संबंधित शिक्षकों द्वारा किये गये प्रयास एवं उपाय।
9. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान का उपयोग।
10. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान प्राप्त किये जाने हेतु किये गये प्रयास तथा अतिरिक्त अनुदान प्राप्त किये जाने की सम्भावनाएं एवं सुझाव।
11. विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये आर्थिक एवं अन्य संसाधनों का उपयोग।
12. महाविद्यालय को आर्थिक रूप से अधिक स्वावलम्बी बनाये जाने हेतु सुझाव।
13. महाविद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण।
14. छात्र संघ की भूमिका।
15. सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग एवं संयंत्रों की उपलब्धता।
16. महाविद्यालयों को आवासीय बनाये जाने की सम्भावनाएं एवं कार्ययोजना।
17. पुस्तकालय में पुस्तकों की स्थिति एवं प्रयोगशालाओं में उपकरणों की स्थिति।
18. प्रतियोगी परीक्षाओं/Career Counselling हेतु व्यवस्था/सुझाव/परामर्श आदि की स्थिति।
19. अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु जिन पर प्रकाश डालना अपरिहार्य हो आदि।


(वेदीराम)
अनु सचिव।